11-20 अक्टूबर, 2022 के दौरान हाइब्रिड मोड में भाकृअनुप-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में आयोजित प्राकृतिक रेशों के यांत्रिक प्रसंस्करण पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान ने 11-20 अक्टूबर, 2022 के दौरान "प्राकृतिक रेशों के यांत्रिक प्रसंस्करण" पर दस दिवसीय स्व-प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

अपने स्वागत भाषण में पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. एस. सेनगुप्ता ने कृत्रिम रेशों के उत्पादों की तुलना में प्राकृतिक रेशों के महत्व और प्राकृतिक रेशों से बने उत्पादों के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने मानव समाज और विशेष रूप से पर्यावरण पर सिंथेटिक फाइबर के उपयोग के दुष्परिणामों के बारे में भी जानकारी दी।

संस्थान के निदेशक डॉ डी बी शाक्यवार ने प्रतिभागियों को बधाई दी और उनसे पारंपरिक सोच से छुटकारा पाने और नई और नवीन अनुसंधान अवधारणाओं के साथ आने का आग्रह किया जो हमारे देश को विकसित देश की ओर एक कदम आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने उन्हें नए और अभूतपूर्व विचारों और विधियों को लाने के लिए प्रेरित किया जो प्रकृति में कृत्रिम फाइबर के प्रभाव को कम करने के लिए एक ही प्राकृतिक फाइबर का पूरी तरह से अलग तरीके से उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने संस्थान की आईसीएआर-एनआईएनएफईटी गतिविधियों और प्राकृतिक फाइबर आधारित प्रौद्योगिकियों का संक्षिप्त प्रतिनिधित्व भी दिया है।

अपने समापन भाषण में, निदेशक आईसीएआर-एनआईएनएफईटी ने सिंथेटिक फाइबर से उत्पादों की तुलना में प्राकृतिक फाइबर से बने उत्पादों के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्राकृतिक फाइबर और इसके प्रसंस्करण के बारे में जागरूकता फैलाना और प्रोत्साहित करना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राकृतिक फाइबर उत्पादन में हालिया प्रगति सहित विषयों की विस्तृत श्रृंखला शामिल है; निष्कर्षण और प्रसंस्करण; गुण और मूल्यांकन; फाइबर ग्रेडिंग, गुणवत्ता मूल्यांकन, परीक्षण, कताई- बुनाई, बुनाई और गैर-बुना; तकनीकी वस्त्र; और उत्पादों का विकास।

इस कार्यक्रम में प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, वैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञ के स्तर के छह अलग-अलग राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया है। भाकृअनुप, कलकत्ता विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, केंद्रीय रेशम बोर्ड, यूपीटीटीआई कानपुर के प्रख्यात वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने प्राकृतिक फाइबर पर अपने वैज्ञानिक और तकनीकी विचार-विमर्श के साथ प्रतिभागियों को प्रबुद्ध किया है।

इस अवसर पर "प्राकृतिक फाइबर: गुण, प्रसंस्करण और उत्पाद" पर एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

Refresher Course on Mechanical Processing of Natural Fibres organized at ICAR-NINFET, Kolkata during October 11-20, 2022 in hybrid mode

The ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology organized a ten days self- sponsored refresher course on "Mechanical Processing of Natural Fibres" during October 11-20, 2022.

In his welcome address, course director Dr S Sengupta stressed upon the importance of natural fibres and maximum use of products made from natural fibres than products from synthetic fibres. He also briefed the depraved side effect of using synthetic fibre to the human society and especially on the environment.

Dr D B Shakyawar, Director of the Institute, congratulated the participants and urged them to get rid of the conventional way of thinking and come up with new and innovative research concepts which make our country a step forward towards the line of developed country. He motivated them to bring new & ground-breaking ideas and methods that can use the same natural fibre in a wholly different way to minimize the effect of artificial fibre in nature. He also has delivered brief representation of the ICAR-NINFET activities and natural fibre-based technologies of the Institute.

In his concluding address, Director ICAR-NINFET, emphasized upon the maximum use of products made from natural fibres than products from synthetic fibres

The programme was aimed at apprising and encouraging the awareness of natural fibre and its processing. This training programme covers the wide gamut of topics including recent advances in natural fibre production; extraction & processing; properties & evaluation; fibre grading, quality evaluation, testing, spinning, weaving, knitting & nonwoven; Technical textiles; and products development.

Participants from six different states in the level of professor, Assistant Professor, Scientist, Subject Matter Specialist have been participated in this programme. Eminent scientists and academician of ICAR, Calcutta University, National Institute of Technology, Central Silk Board, UPTTI Kanpur have enlightened the participants with their scientific and technical deliberations on natural fibre.

A book on "Natural fibre: properties, processing and products" has been released in this occasion.

कार्यक्रम की झलकियां/ Glimpses of the Program

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र / Inaugural session of the training programme

आयोजन सदस्यों के साथ प्रतिभागियों की चर्चा/ Discussion of participants with organizing members

कार्यक्रम के दौरान पुस्तक का विमोचन/ Release book during the programme

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण/ Certificate distribution to the participants

प्रतिभागियों और संसाधन व्यक्तियों का समूह फोटो/ Group Photograph of participants and resource persons